गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 02 अंक : 12 गोरखपुर रविवार 8 सितम्बर 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य 02 रूपया

'देश में एक ही संविधान और एक ही पीएम...' शाह बोले–

अब कभी वापस नहीं आएगा 370

जम्मू । जम्मू में रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि मैंने खुद सदन में कहा है कि चुनाव के बाद जम्मू–कश्मीर को स्टेट का दर्जा देंगे। जो चीज हमने दे ही दी है, वो चीज आप (नेशनल कांफेरेंस व कांग्रेस) मांग रहे हैं। लोगों को मूर्ख बना रहे हैं।

मैं अब्दुल्ला साहब और राहुल बाबा से पूछना चाहता हूं कि आप जम्मू कश्मीर को स्टेट का दर्जा कैसे वापस देंगे? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू में एक रैली को संबोधित कर रहे हैं। अमित शाह ने लोगों से कहा कि यह संयोग है कि भाजपा की पहली चुनावी रैली गणेश चतुर्थी के दिन शुरू हो रही है। आगामी चुनाव ऐतिहासिक चुनाव है। देश की आजादी के बाद पहली बार जम्मू–कश्मीर के मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट डालेंगे।

अमित शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी से एक बात कहना चाहता हूं कि आप चाहे जितनी कोशिश कर लें, हम गुज्जर, बकरवाल, पहाड़ी और दलितों के आरक्षण को छूने नहीं देंगे। जब तक शांति नहीं होगी, पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी।

रैली में जम्मू कश्मीर के लोगों से बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि आने वाला चुनाव एक ऐतिहासिक चुनाव है। जब से देश आजाद हुआ। पहली बार जम्मू कश्मीर का मतदाता दो झंडे नहीं, एक तिरंगे के नीचे अपना मतदान करेगा। पहली बार, दो संविधान नहीं, भारत के संविधान (जिसको बाबा साहेब अंबेडकर ने बनाया) के अंतर्गत मतदान होने जा रहा है। पहली बार, पूरे जम्मू कश्मीर सूबे में प्रधानमंत्री नहीं बैठ सकता, प्रधानमंत्री एक ही होता है। जिसे कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक की जनता चुन कर भेजती है और वो हैं हमारे प्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

बृज भूषण सिंह पर पवन खेड़ा का पलटवार, बोले- अन्याय के खिलाफ लड़ती है कांग्रेस, हुड्डा परिवार ने क्या गलत किया?

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के

दावों के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा गलत काम करने वालों के लिए स्टैंड लेती है और कांग्रेस गलत के खिलाफ आवाज उठाती है। बृज भूषण शरण सिंह ने कहा था पहलवान का विरोध कांग्रेस द्वारा राजनीति से प्रेरित था। खेड़ा ने कहा कि गलत करते हैं, भाजपा उनके साथ खड़ी है और वे भाजपा के साथ हैं। जिनके साथ भी अन्याय होता है, कांग्रेस उनके लिए लड़ती है, उनकी आवाज उठाती है और आगे भी उठाएगी और इसीलिए वे कांग्रेस को पसंद भी करते हैं। खेड़ा ने कहा कि बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ छह खिलाड़ियों ने एफआईआर दर्ज कराई थी। क्या आपने देखा है कि उन पर किन धाराओं का आरोप लगाया गया था? उनकी इस तरह बोलने की हिम्मत कैसे हुई? हमें गर्व है कि हम अपनी बेटियों के साथ खड़े थे, खड़े हैं और खड़े रहेंगे। पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के पार्टी में शामिल होने पर कांग्रेस द्वारा खेद प्रकट करने के बृज भूषण के बयान और भूपिंदर हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा पर विरोध को राजनीतिक रूप से प्रेरित करने के आरोप लगाने पर खेड़ा ने कहा कि पार्टी को अपनी बेटियों के लिए खड़े होने पर कभी अफसोस नहीं होगा। गलत के खिलाफ आवाज उठाकर हुडा परिवार ने कोई गलती नहीं की है।

सैनिक स्कूल शुभारंभ : उपराष्ट्रपति ने कहा, 3 वर्ष में सैनिक स्कूल बनाकर सीएम योगी ने किया चमत्कारिक काम

गोरखपुर। गोरखपुर के सैनिक स्कूल का उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने

लोकार्पण किया। इस दौरान सीएम योगी भी मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत के हवन में हरेक व्यक्ति को आहुति देनी होगी। 2017 के पहले उत्तर प्रदेश डर की चपेट में था। लेकिन, अब उसी डर को डर लगता है। सीएम के कार्यकुशलता और नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा कि तीन साल में सैनिक स्कूल बनाकर सीएम योगी ने चमत्कारिक कार्य किया है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बताते हुए यहां 2017 के बाद आए बदलाव के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में बनी भारत की अलग और सशक्त पहचान में उत्तर प्रदेश की गुणात्मक भागीदारी है।

उन्होंने 2047 तक 'विकसित भारत' की संकल्पना को लेकर जारी अभियान में सबसे योगदान देने की अपील करते हुए कहा कि विकसित भारत के हवन में हरेक व्यक्ति को आहुति देनी चाहिए क्योंकि हम देश के लिए जितना भी कर सकें कम है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ शनिवार को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ भी उपस्थित थीं। उपराष्ट्रपति ने उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आए परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 के बाद यूपी में शिक्षा, चिकित्सा, उद्यमिता तथा अन्य क्षेत्रों में गुणात्मक वृद्धि हुई है।जबकि 2017 के पहले यह प्रदेश डर की चपेट में था। कानून व्यवस्था ठीक नहीं थी, आम आदमी परेशान रहता था। कई पहलुओं पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सैनिक स्कूल गोरखपुर को मात्र तीन वर्ष में पूरा करवाकर योगी जी ने शानदार और चमत्कारिक कार्य कर दिखाया है।कहा, वैसे तो सीएम योगी के चमत्कारिक कार्यों की गूंज हर जगह सुनाई देती है। तीन वर्ष में सैनिक स्कूल बनकर संचालित होना मुश्किल और अकल्पनीय था लेकिन सीएम योगी ऐसा कर देंगे, यह विश्वास भी था।सैनिक स्कूल समेत सभी स्कूलों के विद्यार्थियों और आमजन को प्रेरित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीयता हमारी पहचान और राष्ट्र हमारा धर्म है। हमें निजी स्वार्थ से ऊपर राष्ट्र धर्म को रखना होगा। राष्ट्रवाद से समझौता राष्ट्र के साथ धोखा होगा। राष्ट्र पर प्रश्न चिन्ह लगाने वालों को हमें बर्दाश्त नहीं करना है।

भारत जोड़ो यात्रा के दो साल, राहुल गांधी बोले–

देश के हर कोने में सुनाई दे प्रेम की आवाज

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा की दूसरी वर्षगांठ पर एक दिल छू लेने वाला वीडियो साझा किया और कहा कि इस यात्रा ने उन्हें मौन की सुंदरता सिखाई है। एक्स को संबोधित करते हुए गांधी ने लिखा कि भारत जोड़ो यात्रा ने मुझे मौन की सुंदरता सिखाई। उत्साही भीड़ और नारों के बीच, मैंने शोर को शांत करने और वास्तव में सुनने के लिए अपने बगल वाले व्यक्ति पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने की शक्ति का पता लगाया।

उन्होंने यह भी कहा कि इन दो वर्षों में, उन्होंने विविध पृष्ठभूमि के हजारों भारतीयों की बात सुनी है और प्रत्येक आवाज ने ज्ञान दिया है, उन्हें कुछ नया सिखाया है और प्रत्येक व्यक्ति ने प्यारी भारत माता का प्रतिनिधित्व किया है। जब मैंने यह यात्रा शुरू की थी तो मैंने कहा था कि प्रेम नफरत पर विजय प्राप्त करेगा और आशा भय पर विजय प्राप्त करेगी, आज हमारा मिशन एक ही है कि भारत माता की आवाज, प्रेम की आवाज हमारे प्यारे देश के हर कोने में सुनाई दे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिखा कि भारत जोड़ो यात्रा एक ऐतिहासिक जन–आंदोलन है, जो समाज को एकजुट करने का पर्याय बन गया है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी व हमारे भारत जोड़ो यात्रियों ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल जो दूरी तय की, उससे करोड़ों लोगों के दिलों में प्रेमभाव, आपसी सौहार्द और बंधुत्व की अभूतपूर्व जन–चेतना जागृत हुई।

ट्रांसपोर्ट नगर हादसा : धीरज गुप्ता के परिजनों ने जुनाबगंज चौराहे पर शव रखकर लगाया जाम

लखनऊ संवाददाता। शनिवार की शाम ट्रांसपोर्ट नगर में गिरी बिल्डिंग से आठ लोगों की मौत हो गई थी। सुबह इस इमारत को सील कर दिया गया। शनिवार की शाम ट्रांसपोर्ट नगर में एक तीन मंजिला बिल्डिंग गिर गई थी। उसमें आठ लोगों की मौत गई। उन आठ लोगों में से से एक धीरज गुप्ता भी

थे। रविवार की सुबह लखनऊ के जुनाबगंज चौराहे पर उनके परिजनों ने शवह रखकर हंगामा किया। देखते ही देखते यहां प्रदर्शन की नौबत आ गई। बाद में स्थानीय विधायक राजेश्वर सिंह से फोन पर बात करने के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए मान गए। विधायक ने उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिया। एलडीए ने किया इमारत सीलइधर लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी ने रविवार की सुबह इस इमारत को पूरी तरह से सील कर दिया। जांच पूरी होने तक वह इमारत सील ही रहेगी। मालूम हो कि यह इमारत दस साल पहले ही बनाई गई थी। शनिवार की शाम गिर गई इमारत ट्रांसपोर्टनगर में शनिवार शाम बारिश के दौरान शहीद पथ किनारे स्थित एक तीन मंजिला इमारत भरभराकर गिर गई। हादसे में एक कारोबारी समेत आठ लोगों की मौत हो गई जबकि मलबे में दबे 24 लोगों को निकालकर राजधानी के अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें 3 लोगों की हालत गंभीर है, जिनका ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। मलबे में अभी कई और लोगों के दबे होने की आशंका है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, दमकल और पुलिस की टीमें राहत–बचाव कार्य में देर रात तक जुटी रहीं। आशियाना निवासी राकेश सिंघल का हरमिलाप (ग्राउंड प्लस 2) टावर था। टावर के ग्राउंड फ्लोर पर आशियाना निवासी जसमीत साहनी का मोबिल ऑयल और दूसरी मंजिल पर दवा का गोदाम था। पहली मंजिल पर मनचंदा का गिफ्ट सेंटर का गोदाम था। शनिवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे तेज बारिश शुरू हुई। आधे घंटे बाद अचानक पूरी बिल्डिंग ढह गई। इससे आसपास भगदड़ मच गई। सबसे पहले पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद दमकल, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें पहुंचीं और राहत–बचाव शुरू किया। एक–एक कर 32 लोगों को निकाला गया। इसमें से कारोबारी जसमीत सिंह साहनी (45) एल्डिको ग्रीन गोमतीनगर, पंकज तिवारी (40) रजनीखंड आशियाना, धीरज गुप्ता (48) बंथरा, अरुण सोनकर (28) व राकेश कुमार (32) कृष्णानगर, जगरूप (34) उन्नाव, इंजीनियर रूद्र यादव (25) साउथ सिटी, पीजीआई और राजकिशोर (27) की मौत हो गई। घायलों का इलाज जारी है। हादसे के वक्त एक कंटेनर से दवाओं की खेप उतारकर गोदाम में पहुंचाई जा रही थी।

ट्रक ने तीन छात्राओं को मारी टक्कर, एक की मौत

लखनऊ संवाददाता। एक बेकाबू ट्रक ने शनिवार सुबह साइकिल से स्कूल जा रही तीन छात्राओं को टक्कर मार दिया। एक छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो छात्राओं को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घटना से आक्रोशित लोगों ने ट्रक में तोड़फोड़ की। भड़के लोगों ने छात्रा का शव रखकर रायबरेली–प्रतापगढ़ हाईवे जाम कर दिया। इसमें छात्राएं भी शामिल रहीं। पुलिस ने आरोपी चालक को पकड़ लिया है। सलोन कोतवाली क्षेत्र के कालू जलालपुर ग्राम पंचायत के पूरे नारायण गांव की रहने वाली कंचन (17) पुत्री रतिपाल, शैलजा (16) पुत्री रामशंकर कक्षा आठ और कक्षा 10 में पढ़ने वाली आरती (16) पुत्री स्व. रघुनाथ अलग–अलग साइकिलों से करहिया बाजार स्थित कान्हा शिक्षा निकेतन विद्यालय जा रही थी। सुबह लगभग पौने आठ बजे बरुआपुल चौराहा पर प्रतापगढ़ की तरफ से सलोन की ओर आ रहे रहे अनियंत्रित ट्रक ने विपरीत दिशा जाकर तीनों छात्राओं की साइकिल को टक्कर मार दी। घटना के दौरान तीनों छात्राएं ट्रक के नीचे फंस गईं। इसके बाद चालक ने तीन बार गाड़ी को आगे–पीछे किया। इससे छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं।मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने ट्रक के नीचे फंसी छात्राओं को पकड़कर बाहर निकाला। छात्रा शैलजा की मौके पर मौत हो गई, जबकि कंचन और आरती की हालत गंभीर होने पर उन्हें सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल से कंचन को एम्स रेफर किया गया। घटना की जानकारी पर परिजन मौके पर पहुंचे। सभी में रोना पिटना मच गया। हादसे में साइकिलें क्षतिग्रस्त हो गईं। दुर्घटना को अंजाम देकर भाग रहे ट्रक को ग्रामीणों ने पकड़कर तोड़फोड़ शुरू कर दी। सूचना पर सीओ सलोन प्रदीप कुमार, कोतवाली प्रभारी जेपी सिंह के साथ आसपास के थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने छात्रा के शव को सड़क पर रखकर रायबरेली–प्रतापगढ़ हाईवे पर प्रदर्शन शुरू कर दिया।सूचना पर एसडीएम अभिषेक कुमार पहुंचे। एसडीएम ने मृतक छात्रा के परिजनों को आर्थिक मदद व बड़ी बहन के लिए शादी का अनुदान, आवास एवं घायल छात्राओं के इलाज का खर्च सरकारी सहायता से दिलाने का आश्वासन दिया।

हादसे से पहले आई अजीब सी आवाज... सब भागकर बाहर निकले, जैसे ही लौटे ढह गई इमारत

लखनऊ संवाददाता। लखनऊ के ट्रांसपोर्टनगर में शनिवार शाम बारिश के दौरान शहीद पथ के किनारे इमारत (हरमिलाप टावर) के जमींदोज होने से कुछ मिनट पहले बिल्डिंग के भीतर अजीब सी धड़धड़ाने की आवाज आई। कुछ शंका हुई तो करीब सभी कर्मचारी बाहर निकले। फिर सब सामान्य लगा तो वापस अंदर आ गए। इसके चंद मिनट बाद अचानक इमारत भरभराकर जमींदोज हो गई। यह जानकारी घायलों ने बातचीत के दौरान दी।हादसा होते ही हर तरफ भगदड़ मच गई। आसपास की बिल्डिंग वाले भागने लगे। कुछ का कहना था कि ऐसा लगा कि भूकंप आ गया तो कुछ को लगा कि बारिश के दौरान बिजली गिर गई।इमारत ढहते ही आसपास धूल ही धूल छा गई। कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। जिसका कंटेनर फंसा था वह ड्राइवर भागकर डिवाइडर पर जाकर बैठा। उसका कहना था कि लगा कि मैं भी मर जाऊंगा। पता ही नहीं चल रहा था कि आखिर हुआ क्या।धमाके जैसी थी आवाज, समझ नहीं आया क्या करेंहादसे में घायल हुए विनीत कश्यप ने बताया कि वह रोजाना की तरह काम कर रहे थे। एक बार बाहर जाने के बाद भीतर आए। तभी अचानक बिल्डिंग के एक हिस्से ढहता दिखा। जब तक वह बाहर जा पाते तब तक पूरी इमारत ढह गई। बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के दौरान विनीत ग्राउंड फ्लोर पर थे।गत्तों के ढेर में दब गए, जिससे बची जानहादसे में राजेंद्र कुमार भी चोटिल हुए हैं। राजेंद्र ने बताया कि वह गत्तों का ढेर लगा रहे थे। जब हादसा हुआ वह भागने की कोशिश की लेकिन नहीं भाग पाए। गनीमत रही कि गत्तों का ढेर उन पर पलट गया। जिससे मलबा गिरने से वह मामूली चोटिल हुए। गंभीर चोट नहीं आई।हर फ्लोर पर करीब 12–12 लोगकर्मचारियों ने बताया कि इमारत के ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर और सेकेंड फ्लोर पर तकरीबन 12–12 लोग काम करते थे। हादसे के वक्त भी अंदेशा है कि इतने ही लोग या फिर कुछ ज्यादा हो सकते हैं। अब तक 32 लोग निकाले गए, जिनमें से आठ की मौत हो चुकी है। आठ– दस लोगों के फंसे होने की आशंका है।घायलों में एक किशोरी और एक किशोर भीघायलों में एक किशोरी व एक किशोर भी हैं। कुछ लोगों ने बताया कि दोनों भाई–बहन हैं, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। अंदेशा है कि गोदाम में काम करने वाले किसी शख्स के ये बच्चे होंगे।

दूसरी आशंका है कि शायद बिल्डिंग के पास हादसे के वक्त दोनों मौजूद थे, जो चपेट में आ गए। फिलहाल प्रशासन दोनों की पहचान करने का प्रयास कर रहा है।पहले भी हुए हादसेलखनऊ में बारिश के दौरान तीन मंजिला इमारत ढही, आठ की मौत, 24 घायलआपको बता दें कि लखनऊ के ट्रांसपोर्टनगर में शनिवार शाम बारिश के दौरान शहीद पथ किनारे स्थित एक तीन मंजिला इमारत भरभराकर गिर गई। हादसे में एक कारोबारी समेत आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि मलबे में दबे 24 लोगों को निकालकर राजधानी के अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।इनमें तीन लोगों की हालत गंभीर है, जिनका ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। मलबे में अभी कई और लोगों के दबे होने की आशंका है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, दमकल और पुलिस की टीमें राहत–बचाव कार्य में देर रात तक जुटी रहीं। आशियाना निवासी राकेश सिंघल का हरमिलाप (ग्राउंड प्लस 2) टावर था। टावर के ग्राउंड फ्लोर पर आशियाना निवासी जसमीत साहनी का मोबिल ऑयल और दूसरी मंजिल पर दवा का गोदाम था। पहली मंजिल पर मनचंदा का गिफ्ट सेंटर का गोदाम था। शनिवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे तेज बारिश शुरू हुई। आधे घंटे बाद अचानक पूरी बिल्डिंग ढह गई। इससे आसपास भगदड़ मच गई। सबसे पहले पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद दमकल, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें पहुंचीं और राहत–बचाव शुरू किया। एक–एक कर 32 लोगों को निकाला गया। इसमें से कारोबारी जसमीत सिंह साहनी (45), पंकज तिवारी (40), धीरेंद्र गुप्ता उर्फ धीरज (48), अरुण सोनकर (28), राजकिशोर (27) और राकेश कुमार (32), जगरूप (24) और इंजीनियर रूद्र यादव (25) की मौत हो गई। घायलों का इलाज जारी है।हादसे के वक्त एक कंटेनर से दवाओं की खेप उतारकर गोदाम में पहुंचाई जा रही थी। कंटेनर चालक राजेश कंटेनर की ड्राइविंग सीट पर बैठे थे। ट्रक का आधा से अधिक हिस्सा बिल्डिंग के भीतर था। बिल्डिंग ढहते ही कंटेनर का आधे से अधिक हिस्सा मलबे में दब गया। हर तरफ धूल का गुबार छा गया। राकेश केबिन से कूदकर भाग गए, जिससे उनकी जान बच सकी। टावर का जरा सा हिस्सा बचाटावर का करीब 90 फीसदी हिस्सा जमींदोज हुआ है। एक हिस्सा अब भी खड़ा है। जिसका छज्जा और सीढ़ी दायीं तरफ लटक रबी है। इससे रेस्क्यू करने में भी खतरा है। एहतियात बरतते हुए रेस्क्यू टीमें मलबा हटाकर लोगों को निकालने में जुटी रहीं। आखिर क्यों गिरी बिल्डिंग बिल्डिंग ढहने के पीछे क्या वजह रही फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका। एलडीए के उपसचिव अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि भवन में बेसमेंट नहीं है। न ही बेसमेंट को लेकर किसी प्रकार की खोदाई या अन्य कार्य हो रहा था। बिल्डिंग के नक्शे की भी जांच की गई। नक्शा 31 अगस्त, 2010 को कुमकुम सिंघल द्वारा पास करवाया गया था। बिल्डिंग में नक्शे के अनुसार ही काम हुआ था। वहीं, सूत्रों का कहना है कि लोडिंग व अनलोडिंग के दौरान ट्रक पिलर से टकराया जिससे वह ढह गई।

हरियाणा विधानसभा चुनाव : कांग्रेस से बात न बनी तो आप का समर्थन कर सकती है सपा, तैयार हो रहा है ये फॉर्मूला

लखनऊ संवाददाता। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की आम आदमी पार्टी से सीटों के समझौते की बात हो रही है। इस बीच सपा ने एक अलग तरह का संकेत दिया है।

कांग्रेस के लिए सपा का श्एक हाथ दो, दूसरे हाथ लोश्श फॉर्मूला तैयार है। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में सपा के साझेदारी के प्रस्ताव पर अभी तक विचार न होने से दोनों दलों के बीच खटास पैदा हुई है। वहां सपा आम आदमी पार्टी को सक्रिय समर्थन कर सकती है। सपा सूत्रों की मानें तो इसका यूपी के विधानसभा उपचुनाव में असर दिखना तय है। सपा नेतृत्व ने यहां भी कांग्रेस के दावे को स्वीकार न करने का मन बना लिया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में सपा ने इंडिया गठबंधन के तहत 5 सीटों पर लड़ने का प्रस्ताव भेजा था। यह प्रस्ताव सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की अपनी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर का बनाने की रणनीति के तहत था। बताते हैं कि कांग्रेस इस पर विचार करने को तैयार नहीं है। यहां तक कि जींद जिले की जो एक सीट सपा ने अपने एक प्रत्याशी को लड़ाने के लिए मांगी थी, उस पर भी कांग्रेस ने विचार नहीं किया। बताते हैं अभी तक सपा के प्रस्ताव पर कांग्रेस हाईकमान ने किसी तरह का जवाब देना तक मुनासिब नहीं समझा। इसे सपा नेतृत्व की नाराजगी के तौर पर देखा जा रहा है कि कि हरियाणा चुनाव में इंडिया गठबंधन को मजबूत करने संबंधी एक्स पर शुक्रवार की अपनी पोस्ट में अखिलेश ने एक बार भी कांग्रेस का नाम नहीं लिया। सिर्फ इतना कहा कि इंडिया गठबंधन की जो पार्टी भाजपा को हराने में सक्षम होगी, हरियाणा में सपा उसे अपना समर्थन देगी।

सभी सीटों पर आप उतारेगी प्रत्याशी

माना जा रहा है कि वहां सपा, आम आदमी पार्टी को समर्थन देने पर विचार कर रही है। चर्चा है कि कांग्रेस से सीटों की साझेदारी पर बात न बनने पर आम आदमी पार्टी वहां सभी 90 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार सकती है। एक–दो दिन में अपने प्रत्याशियों की घोषणा भी कर सकती है।यहां बता दें कि यूपी के विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस 10 में से 5 सीटें मांग रही है। सपा सूत्रों का कहना है कि हरियाणा का उदाहरण सामने रखते हुए यहां सपा कांग्रेस को हिस्सेदारी के मामले में ठेंगा दिखा सकती है। इतना ही नहीं इसकी तपिश वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिल सकती है।

बिन ड्राइवर दौड़ता ट्रक देख पुलिसवालों के उड़ गए होश, दीवार तोड़ थाने में घुसा, बाल–बाल बचे गार्ड–चौकीदार

संवाददाता–देवरिया। रविवार को सुबह एक बड़ा हादसा होते–होते बच गया। यहां पुलिस ने घेराबंदी कर एक ट्रक को रोकने की कोशिश की तो ड्राइवर चलती ट्रक से कूद गया। जबकि ट्रक आगे की ओर दौड़ता रहा। बिन ड्राइवर ट्रक को अपनी ओर बढ़ता देख पुलिसवालों के होश उड़ गए। बेकाबू ट्रक थाने की चहारदीवारी को तोड़ते हुए पेड़ से टकराया। पेड़ से टकराने से पहले ट्रक ने थाना परिसर में खड़ी तीन बाइकों को भी तहस–नहस कर दिया। गार्ड और चौकीदार ने कूद कर किसी तरह अपनी जान बचाई। इस घटना से थाने में हड़कंप मच गया।

रविवार की सुबह रायबरेली से गोवंशीय पशुओं से भरा एक ट्रक बिहार जा रहा था। सदर कोतवाली क्षेत्र के सोनू घाट चौराहे से वह गोरया घाट वाले मार्ग पर मुड़ गया। बरियारपुर पुलिस ने महुआनी चौराहे पर संदिग्ध ट्रक आने की जानकारी मिलते ही नाकेबंदी कर दी। बैरियर के साथ पुलिस टीम को देखकर ट्रक चालक ने वाहन को भीखमपुर रोड की ओर मोड़ दिया। कसया ढाला होते हुए ट्रक कसया की ओर जाने लगा। यह देख बरियारपुर पुलिस ने रामपुर कारखाना थानाध्यक्ष नंदा प्रसाद को संदिग्ध ट्रक के जाने की जानकारी दी। इसकी सूचना मिलते ही रामपुर कारखाना थानेदार फोर्स के साथ थाना गेट पर जम गए। करीब 9 बजे भारी फोर्स को थाना गेट पर देखकर ड्राइवर चलते ट्रक से कूद गया। बिना ड्राइवर के ट्रक बेकाबू होकर थाना गेट के पास खड़ी तीन बाइक को क्षतिग्रस्त करते हुए चहारदीवारी से जा टकराया। चहारदीवारी टूट गई। ट्रक, चहारदीवारी तोड़कर पेड़ से टकराकर रुक गया। चहारदीवारी के पास पेड़ के चबूतरे पर बैठे गार्ड और चौकीदार ने किसी तरह कूद कर अपनी जान बचाई। पुलिसकर्मियों ने ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। उससे पशुओं के बारे में पूछताछ की जा रही है।

संपत्ति का ब्योरा पोर्टल पर दर्ज करने को कर्मचारी हलकान

संवाददाता–गोण्डा । स्वास्थ्य महकमें के मुलाजिमों के लिए एक बहुत ही जरुरी खबर है। अगर उन्होंने मानव संपदा पोर्टल पर अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्योरा दर्ज नहीं किया तो उन्हें अगस्त माह का वेतन नहीं दिया जाएगा। स्वास्थ्य महानिदेशालय के इस फरमान से कर्मियों में हड़कंप मचा है।

यह फरमान महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. बृजेश राठौर ने जारी किया है। फरमान जारी होने के बाद महकमें में तरह–तरह की चर्चा हो रही है। सभी कर्मचारी अपने संघ के नेताओं से सम्पर्क कर इस फरमान पर अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करा रहे हैं। इससे पहले भी फरमान जारी कर पैरामेडिकल संवर्ग नियमित कार्मिकों प्रभारी अधिकारी फार्मेसी, चीफ फार्मासिस्ट, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन, एक्सरे टेक्नीशियन, डार्क रुम सहायक, ईसीजी टेक्नीशियन व फिजियो आकूपेशनलथिरेपिस्ट के साथ ही अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों को ब्योरा दर्ज करने का निर्देश दिया गया था । यही नहीं ब्योरा दर्ज करने की एक प्रति भी जिम्मेदार अफसरों से मांगी गई थी। यह आदेश इस समय विभाग के सोशल मीडिया वाट्सअप ग्रुपों पर खूब वायरल भी हो रहा है। संबंधित कर्मचारी विभाग के इस फरमान को लेकर तरह–तरह के कमेंट भी कर रहे हैं।

महानिदेशक ने सभी सीएमओ व अपर निदेशक को स्पष्ट निर्देश दिया है कि मानव संपदा पोर्टल पर चल–अचल संपत्ति का ब्योरा दर्ज करने वालों को ही अगस्त माह का वेतन आहरित किया जाए। संपत्ति का ब्योरा न दर्ज करने वालों को अगस्त माह का वेतन बाधित कर दिया जाए। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सालिकराम त्रिपाठी ने बताया कि फरमान ग्रुपों पर वायरल हो रहा है। आदेश जारी हुआ है तो संबंधित कर्मचारी सम्पत्ति का ब्योरा भी मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज करेंगे।

इस संबंध में अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य देवीपाटन मंडल डॉ. जयंत ने बताया कि महानिदेशालय के आदेश को मंडल के सभी सीएमओ व सीएमएस को अनुपालन के लिए भेज दिया है। जल्द ही सभी संबंधित कर्मचारियों को संपत्ति का ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज करने का निर्देश दिया गया है।

गो तस्करों के हमले में सिपाही घायल, दो पिकअप व आठ गोवंश बरामद

संवाददाता–बलरामपुर। गोवंश बरामद करने गई पुलिस टीम पर गो तस्करों ने हमला कर दिया। एक कांस्टेबल के सिर में चोटें आई हैं। गो तस्करों का आक्रामक रूप देख प्रभारी निरीक्षक को जान बचाने के लिए हवा में गोलियां चलानी पड़ीं। पुलिस ने पिकअप पर लोड आठ गोवंश बरामद किए हैं। पुलिस टीम बदमाशों को चिन्हित करने के काम में लगी है। घटना स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत गौरा चौराहा मार्ग स्थित गुलरिहा घाट गांव के निकट शनिवार मध्य रात्रि हुई है। एसपी ने गो तस्करों को शीघ्रता पूर्वक गिरफ्तार किए जाने का निर्देश दिया है। शनिवार रात प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, एसएसआई श्रवण चन्द्र सिंह, एसआई जमील खां, अरविंद कुमार साहनी, हेड कांस्टेबल रणवीर सिंह, आनंद कुमार, कांस्टेबल मनीष कुमार, प्रदीप, धीरेन्द्र पटेल, अखिलेश भारती व गौतम प्रसाद गस्त पर निकले थे। मुखविर से सूचना मिली कि गौरा चौराहा मार्ग स्थित गुलरिहा घाट गांव के निकट गो तस्कर पिकअप गाड़ी पर क्रूरता पूर्वक बैलों को लाद रहे हैं। सूचना यह भी थी कि थोड़ी दूर स्थित त्रुकौलिया गांव के निकट भी पिकअप पर बैलों को क्रूरता पूर्वक लादा जा रहा है। मुखविर भरोसे का था इसलिए पुलिस टीम बिना समय गंवाए गुलरिहा घाट गांव की ओर रवाना हो गई। उस समय रात के लगभग 12 बज रहे थे। गाड़ी रुकते ही मनीष कुमार व प्रदीप कुमार गो तस्करों से पूछताछ करने लगे। गो तस्कर पुलिस कर्मियों के किसी भी सवाल का जबाब नहीं दे पा रहे थे। उनकी संख्या आधा दर्जन के आस पास थी। इसी बीच एक तस्कर ने मनीष कुमार के सिर पर पीछे से डंडे से वार कर दिया। उनका सिर फट गया। वह जमीन पर बैठ गए। गो तस्कर पुलिस को ललकारते हुए भागने लगे। अचानक हुए हमले से पुलिस कर्मी घबरा गए। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने सर्विस रिवाल्वर निकालकर हवा में दो गोलियां चलाईं। पुलिस को आक्रामक होता देख गो तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकले। पुलिस ने त्रुकौलिया गांव के निकट पिकअप गाड़ी खड़ी देखी, जिसमें आठ बैलों को लादा गया था। बैलों के शरीर में चोट के निशान पाए गए। गो तस्कर दोनों पिकअप छोड़कर भाग निकले थे। पुलिस उन्हें जब्त कर थाने ले आई। मनीष कुमार को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा गया था। उनकी हालत खतरे से बाहर थी। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें थाने भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक ने रात में ही अधिकारियों को घटना की जानकारी देकर पुलिस कर्मियों की बैठक बुलाई। आवश्यक निर्देश के बाद सभी को क्षेत्र में गो तस्करों की तलाश में भेज दिया गया।

बताया जाता है कि बलरामपुर के साथ–साथ दूसरे जिले के गो तस्कर भी घटना में शामिल थे। बैलों को नेपाल ले जाने की योजना थी। इसी बीच मुखविरी के कारण वे अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सके। वहीं गो वंशों को स्वास्थ्य परीक्षण कराने के बाद गुलरिहा घाट के ग्रामीणों को सौंप दिया गया है। विकास कुमार, एसपी ने कहा कि गो तस्करों के हमले में कांस्टेबल घायल हुआ है। तस्करों की पहचान कराई जा रही है। गाड़ियां कहां और किसकी हैं इसका पता चल चुका है। केस दर्ज कर गो तस्करों की तलाश कराई जा रही है।

कमर में लोहे की चेन बांधकर सिपाही भर्ती की परीक्षा देने पहुंची युवती, बोली- ताला नहीं खोलूंगी, भले ही छोड़ दूं एग्जाम

संवाददाता–महराजगंज। जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां सिपाही भर्ती परीक्षा के अंतिम दिन शनिवार को पहली पाली में एक महिला अभ्यर्थी की चेकिंग की गई तो वह लोहे की चेन को ताले से बंद कर कमर में लटका रखी थी। जब सुरक्षाकर्मियों ने इस बारे में पूछा तो उसने साफ शब्दों में कह दिया कि वह ताला नहीं खोलेगी भले ही उसे एग्जाम छोड़नी ही क्यों न पड़े। ये मामला जिले के राजकीय कन्या इंटर कॉलेज केंद्र का है। शनिवार को यूपी सिपाही भर्ती की पहली पाली में एक महिला अभ्यर्थी की जांच के दौरान मेटल डोर डिडेक्टर से आवाज आने लगी। इस पर सुरक्षाकर्मी हैरान हो गए। पूछे जाने पर छात्रा ने बताया कि भूत के साया को भगाने के लिए वह तंत्रमंत्र के सुझाव पर अपने कमर में लोहे के माला को ताला से बंद की है। उसी से आवाज आ रही है। महिला सुरक्षाकर्मियों ने कर्मियों ने ताला खोल माला निकालने को कही तो महिला अभ्यर्थी ने कहा कि वह भले ही सिपाही भर्ती परीक्षा को छोड़ दें, लेकिन ताला नहीं खोलेगी। परीक्षा केंद्र की गेट पर अभ्यर्थी के परिजन भी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि लड़की भूत के साया से परेशान है। कई भूत उसके उपर सवार हैं। झाड़–फूंक और तंत्र–मंत्र करने वाले के सुझाव पर छात्रा के शरीर पर 11 लोहे की माला को ताला से बंद किया गया था। दस भूत उसे छोड़ चुके हैं। उसके बाद ताला खुल गया था। अभी 11वां ताला नहीं खुला है। उधर, ताला नहीं खोलने की बात पर सुरक्षाकर्मियों ने महिला अभ्यर्थी की सघन जांच की। जब कोई डिवाइस नहीं मिला तो कक्ष निरीक्षक को विशेष निगरानी का निर्देश दिया गया। उसके बाद कमर में ताला लगाकर ही महिला अभ्यर्थी कड़ी निगरानी के बीच परीक्षा दी। वहीं, क्षेत्र में ये मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

सदस्यता अभियान को लेकर बनी रणनीति, बूथ स्तरीय टीम

संवाददाता–महराजगंज। भाजपा के राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा के विभिन्न मोर्चो की कार्यशाला पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष संजय पांडेय की अध्यक्षता में हुई। सोमवार से 25 सितंबर तक चलने वाले अभियान को लेकर रणनीति बनाई गई। जिले के प्रभारी राम जियावन मौर्य ने कहा कि भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं की पिछली तीन साल की सदस्यता 31 अगस्त को स्वतः समाप्त हो गई। इस सदस्यता अभियान में बूथ स्तरीय 5 सदस्यीय एक टीम तैयार की गई है, जो हर घर जाकर केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताएगी।

सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि सदस्यता अभियान को संगठन के महापर्व के रूप में मनाना है। सदस्य बनाने के लिए चार तरह की व्यवस्थाएं की हैं। जिसमें राष्ट्रवाद सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य उन सभी लोगों को पार्टी से जोड़ना है जो भारत को एक समृद्ध और समर्थ राष्ट्र बनाने की चाह रखते हैं। उन्होंने बताया कि 8800002024 पर मिस्ड कॉल करके, क्यूआर कोड स्कैन करके, नमो एप के माध्यम से, ऑफलाइन फॉर्म भरकर,अन्य डिजिटल माध्यमों से सदस्य बनाए जाएंगे। कार्यशाला में जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवल, जिला महामंत्री ओम प्रकाश पटेल, बबलू यादव,अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री इलताफ खान, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष भीम प्रसाद, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दयाशंकर सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष ठाकुर रौनियार, नागेंद्र प्रसाद, डॉ सूरज सिंह, राम कोमल चौधरी, सुनील रावत, ओम प्रकाश पांडेय, गिरिजेश अग्रवाल, संजय सिंह, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राजमती देवी, मण्डल अध्यक्ष प्रज्ञा मिश्र, शुभलक्ष्मी सिंह, वीरेंद्र चौहान,राधारमण शुक्ला, नरेंद्र पटेल सहित तमाम मोर्चा पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रामीणों की शिकायत के बाद भी बालू खनन जारी

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा बहराइच जिले की सीमा पर ग्राम गोड़वा के पास हो रहे बालू खनन पर गांव के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया है। इसमें खनन के लिए चिन्हित जमीन से हटकर किसानों की जमीन में खनन होने की शिकायत की है। वहीं अवैध खनन करने वाले रातों–रात दर्जनों ट्रक, डंपर, ट्राला, ट्राली बालू निकालकर गैर जनपद और आसपास के क्षेत्र में बिक्री कर रहे हैं। यहां तक की खनन के लिए निर्धारित गहराई को दरकिनार कर काफी नीचे से बालू निकालकर जमीन को तालाब की शक्ल में बनाया जा रहा है। इससे उनके खेतों में जलभराव हो चुका है। तहसील करनैलगंज क्षेत्र के ग्राम गोड़वा निवासी सुमिरन, निरहू, ज्ञाना देवी आदि ने जिलाधिकारी व उप जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया है। जिसमें कहा है कि जो जमीन उन्हें सरकार ने पट्टा दिया था। उस जमीन पर बालू निकालने वाले लोग जबरन खनन कर रहे हैं।

सम्पादकीय

बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति

भारत के युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति न केवल सामाजिक चिंता का विषय, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर रही है। प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराने का केंद्र माने जाने वाले कुछ शहरों से अक्सर विद्यार्थियों के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। यह समस्या अब एक व्यापक चिंता का रूप ले चुकी है। इसके अलावा, दसवीं या बारहवीं की परीक्षा में भी फेल होने या नंबर कम आने के तनाव में कई विद्यार्थियों के खुदकुशी कर लेने की खबरें हर वर्ष आ जाती हैं। चिंता की बात यह है कि अब ये कुछ घटनाएं मात्र न रह कर एक व्यापक समस्या की शक्ल लेती जा रही हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि छात्र–छात्राओं की आत्महत्या की दर कुल आत्महत्या की दर से तो ज्यादा है ही, लेकिन अब यह जनसंख्या में इजाफे की दर को भी पार गई है। गौरतलब है कि आइसी–3 सम्मेलन में बुधवार को राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के आधार पर 'छात्र आत्महत्या – भारत में फैलती महामारी' शीर्षक से जारी रपट में यह बताया गया है कि आत्महत्या की कुल घटनाओं में प्रति वर्ष जहां दो फीसद की बढ़ोतरी हुई है, वहीं विद्यार्थियों के बीच जान दे देने की मामलों में चार फीसद यानी राष्ट्रीय औसत से दोगुनी की वृद्धि हुई है। यह स्थिति तब है, जब इस बात की संभावना है कि विद्यार्थियों के आत्महत्या के मामलों में 'कम रिपोर्टिंग' हुई हो।

अगर विद्यार्थियों के बीच आत्महत्या की बढ़ती यह प्रवृत्ति खुदकुशी की कुल घटनाओं के मुकाबले और यहां तक कि आबादी में बढ़ोतरी की रफ्तार से भी तेज है तो यह सोचने की जरूरत है कि देश में शिक्षा का यह कैसा स्वरूप बन गया है, जिसमें पढ़ाई–लिखाई करने की उम्र में बच्चे जीवन से हार मान रहे हैं। स्कूल या उच्च शिक्षा का वह कैसा पाठ्यक्रम है जो बच्चों के भीतर हौसले और जीवट को मजबूत करने के बजाय उन्हें भावनात्मक स्तर पर बेहद कमजोर बना देता है।

गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, भेदभाव, और परिवार में तनाव भी आत्महत्या के लिए जोखिम का कारक बन सकते हैं। युवाओं के बीच इंटरनेट के उपयोग में होने वाली उल्लेखनीय वृद्धि भी आत्महत्या में प्रमुख भूमिका अदा करती है। इसके कुछ अन्य कारकों में साइबरबुलिंग, लैंगिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और सामाजिक मूल्यों में गिरावट भी शामिल हो सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं आत्महत्या का एक बड़ा कारण हैं। भारत में लगभग 54 फीसद आत्महत्याएं मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होती हैं। पढ़ाई के दबाव यानी शैक्षणिक तनाव से होने वाली आत्महत्याओं के मामले लगभग 23 फीसद पाए गए हैं। इसी प्रकार भारत में होने वाली आत्महत्याओं में सामाजिक तथा जीवन शैली कारकों का लगभग 20 फीसद और हिंसा का 22 फीसद योगदान रहता है।

युवाओं का जीवन अमूल्य है और उनके पास इस दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है। इसलिए चाहे परिस्थितियां कितनी भी मुश्किल क्यों न हों, उन्हें उम्मीद की किरण कभी नहीं छोड़नी चाहिए और समस्याओं से हार न मानकर बेहतर भविष्य के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। आत्महत्या कभी भी किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज हमारे देश के युवाओं में आत्महत्या करने की प्रवृत्ति एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। जागरूकता, रोकथाम रणनीति और सामाजिक प्रयासों द्वारा मिलकर हम इस समस्या का समाधान कर सकते हैं और युवाओं को बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान कर सकते हैं।

वहीं समाज और अभिभावकों की महत्त्वाकांक्षाओं और अपेक्षाओं का वह कैसा बोझ है, जिसके नीचे दब कर बच्चे दम तोड़ रहे हैं। निश्चित रूप से यह शिक्षा के समूचे ढांचे और सामाजिक सोच की एक ऐसी त्रासदी है, जिस पर बिना देरी किए गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। यह स्थिति एक ओर राष्ट्रीय स्तर पर नीतिगत दूरदर्शिता पर एक सवाल है, वहीं यह सामाजिक स्तर पर शिक्षा में कामयाबी को लेकर भ्रमित धारणा का भी संकेत है।

नारी शोषण में भी सियासी पक्षपात शर्मनाक

– तनवीर जाफरी–

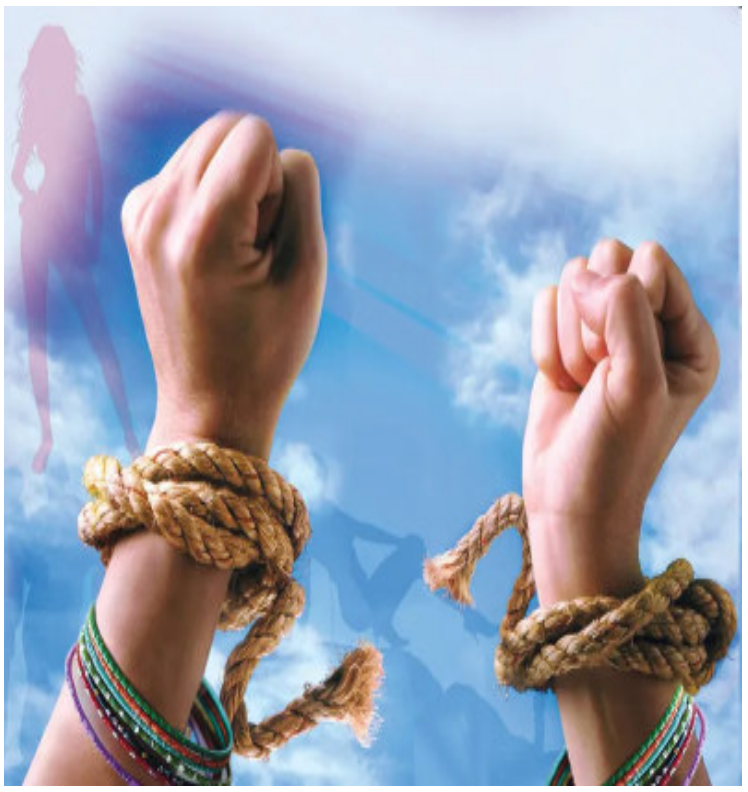

बंगाल की राजधानी महानगर कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में रात की ड्यूटी अंजाम दे रही एक जूनियर डॉक्टर के साथ 9 अगस्त को हुआ बलात्कार तथा बलात्कार के बाद उसी जूनियर डॉक्टर की बेरहमी से की गयी हत्या का मामला इन दिनों देश के सबसे ज्वलंत मुद्दे के रूप में मीडिया में छाया हुआ है। इस बलात्कार व हत्या के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर सीबीआई जांच भी शुरू हो चुकी है। उस समय यह मामला और भी हाई प्रोफाइल हो गया जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत दिनों पीटीआई को दिए अपने साक्षात्कार में इसी कांड के सम्बन्ध में यह कह दिया कि ष्मैं बहुत निराश और भयभीत हूं। बेटियों के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं। राष्ट्रपति ने कहा, बस अब बहुत हुआष्। इसके अतिरिक्त भी राष्ट्रपति महोदया ने इसी विषय पर और भी बहुत सी बातें कर हमारे समाज की बेटियों और बहनों के साथ हो रहे इस तरह के अत्याचारों पर गहन चिंता जाहिर की। उन्होंने पूरे समाज का आवाह्न किया कि सब मिलकर इस विकृति का सामना करें ताकि इसे शुरुआत में ही खत्म किया जा सके।

राष्ट्रपति महोदया द्वारा कोलकता रेप व हत्याकांड का जिक्र अपने इंटरव्यू में करने के बाद यह चर्चा भी सुनाई देने लगी है कि क्या बंगाल में इसी शर्मनाक काण्ड की आड़ में निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर वहां राष्ट्रपति शासन भी लगाया जा सकता है ? इससे पहले भी बंगाल में संदेशखाली की कुछ महिलाओं ने कथित तौर पर यह आरोप लगाया था कि मुख्य मंत्री ममता बनर्जी के करीबी तृणमूल नेताओं द्वारा प्रशासन का डर दिखाते हुए उन लोगों पर अत्याचार किया गया। उनकी जमीन छीन कर उस पर कब्जा कर लिया गया। विरोध करने पर हमले किये गये। जमीन लीज पर लेकर पैसे भी नहीं दिये गये, पैसे देने का वादा करने के बावजूद पैसे मार लिये गये और शारीरिक शोषण भी किया गया,आदि आदि। हालांकि इसी मामले में तृणमूल नेताओं पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली तीन महिलाओं में से दो ने केस वापस भी ले लिया था। तृणमूल कांग्रेस ने 'स्टिंग ऑपरेशन' के एक वीडियो में दावा किया था कि बीजेपी के स्थानीय नेता ने कई महिलाओं से सादे कागज पर दस्तखत करवाए थे और बाद में तृणमूल नेताओं के विरुद्ध बलात्कार व यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करवाने में इन कागजों का प्रयोग किया गया था। इस साजिश के पर्दाफाश होने के बाद यह मामला जितनी तेजी से मीडिया में उछाला गया था उतनी ही तेजी से यह दबा भी दिया गया। संदेशखाली की घटना के बाद भी बंगाल में राष्ट्रपति शासन की चर्चा सुनाई देने लगी थी।

बलात्कार हत्या जैसे घृणित अपराध निश्चित रूप से कहीं भी हों इसकी घोर भर्त्सना की जानी चाहिये। शासन व प्रशासन व विधायिका को मिलकर ऐसे उपाय ढूंढने चाहिये जिससे अपराधियों के हौसले पस्त हों और वे ऐसे अपराधों की जुरअत ही न कर सकें। साथ ही समाज को अपने बच्चों को भी शिक्षित करना चाहिये। परन्तु अफसोस तो इस बात का है कि हमारे देश में बलात्कार व हत्या जैसे घिनौने अपराध को लेकर भी 'राजनीति की हांडी ' चढ़ा दी जाती है। राज्य में सरकार किस दल की है,यह देखकर बलात्कार का विरोध ा किया जाता है। और इससे भी शर्मनाक यह कि बलात्कार पीड़िता का धर्म व उसकी जाति देखकर भी मामले का विरोध व समर्थन निध ारित किया जाता है। आरोपी ध्अपराध ी के रसूख के अनुसार भी उसके साथ बर्ताव किया जाता है। यहाँ तक कि यदि बलात्कार व हत्या का अपराध ी बड़ी संख्या में अपने अनुयायी रखता है तो उस पर तो शासन की विशेष कृपा बरसते देखी जा सकती है। खासकर चुनावी बेला में तो ऐसे सफेदपोश अपराधियों को विशेष पेरोल तक दे दी जाती है।

याद कीजिये गुजरात में 2002 में हुए साम्प्रदायिक दंगों के दौरान बिलकीस बानो व उसकी मां के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था तथा उसी समय उनके सामने उन्हीं के परिवार के सात सदस्यों की हत्या भी कर दी गयी थी। इस लोमहर्षक जुर्म में महाराष्ट्र उच्च न्यायालय द्वारा 11 अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दी गयी थी। परन्तु मई 2022 में गुजरात सरकार ने श्अच्छे चरित्रश् के आधार पर दोषियों की सजा में छूट देते हुये स्वतंत्रता दिवस के दिन इनको रिहा कर दिया था। एक तरफ तो भारत सहित पूरे विश्व में गुजरात सरकार के इस कदम की घोर आलोचना हुई थी। तो दूसरी तरफ इन हत्यारे बलात्कारियों को मंच पर सुशोभित किया जाने लगा था। इन्हें फूल माला पहनाकर इन हत्यारे बलात्कारियों का स्वागत किया जा रहा था। इसी आलोचना के दौरान एक विश्व हिन्दू परिषद् के पक्षकार 'विद्वान लेखक ' ने इन हत्यारे बलात्कारियों का पक्ष लेते हुये अपने आलेख को इस आशय के शीर्षक से सजाया था कि –श्आखिर हिन्दुओं को भी तो जीने का अधिकार है ? ' यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयन का जिन्होंने इस मामले में संज्ञान लेते हुये – कहा कि मई 2022 में गुजरात सरकार ने दोषियों की सजा में छूट देकर तथ्यों की उपेक्षा की थी। और इसी टिप्पणी के साथ उन्होंने सभी दोषियों को दो हफ्ते के भीतर जेल प्रशासन के पास हाजिर होने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उसी समय यह भी कहा था कि गुजरात सरकार के पास सजा में छूट देने और इस बारे में कोई फैसला लेने का अधिकार नहीं है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह अपराधी पुनः जेल जा सके थे और इन हत्यारे बलात्कारियों के हमदर्दों को अपनी मुंह की खानी पड़ी थी।

इसी तरह जनवरी 2018 के कठुआ,जम्मू के 8 वर्ष की मासूम असिफा बानो के सामूहिक बलात्कार व उसकी हत्या के समय भी बलात्कार समर्थक इन बेशर्मों चेहरा बेनकाब हुआ था। इस घृणित अपराध का साजिशकर्ता एक रिटायर्ड राजस्व अधिकारी था जोकि उस समय एक स्थानीय मंदिर का पुजारी भी था जहाँ कई दिनों तक उस बच्ची के साथ बलात्कार किया जाता रहा। इस घटना को भी धार्मिक रंग देते हुये स्वयं को हिन्दू हितैषी कहने वाले लोग बलात्कारियों के पक्ष में केवल खड़े ही नहीं हुये बल्कि उनके समर्थन में जुलूस निकाले, प्रदर्शन किये और हाथों में तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे। मणिपुर में महिलाओं के साथ क्या कुछ नहीं हुआ। पूरा विश्व उस घिनौनी खबर से हिल गया था जबकि सैकड़ों की भीड़ ने वर्ग विशेष की लड़कियों से नग्न परेड कराई और उनके साथ सामूहिक बलात्कार किये गये। ऐसे अनेक घटनायें मणिपुर में घटीं। उत्तरांचल,मणिपुर राजस्थान,मध्य प्रदेश कहाँ नहीं हो रहा है बलात्कार ? परन्तु क्या मीडिया तो क्या सरकारी तंत्र व विशेष विचारधारा के लोग इन सबको केवल गैर भाजपा शासित राज्यों में ही ऐसे अपराध नजर आते हैं ? यदि बलात्कारियों व हत्यारों को दलगत अथवा धर्म व जाति के चश्मे से देखा जाने लगा यानी नारी शोषण में भी पक्षपात किया जाने लगा फिर हमारे देश के लिये इससे निंदनीय व शर्मनाक और क्या हो सकता है ?

आदमखोर भेड़िये का आतंक जारी, दो पर किया हमला, हालत नाजुक

संवाददाता–बहराइच। महसी इलाके में खूंखार शिकारी भेड़िए का आतंक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। वन विभाग की टीम भेड़ियों को पकड़ने के लिए सभी जुगत अपना रहा है। इसके बावजूद भी भेड़िया हमला करने पर आतुर नजर आ रहा है। शनिवार रात फिर एक बार खूंखार भेड़िए ने दो लोगों के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में 8 वर्षीय बालक व 55 वर्षीय वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। इन दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। जहां पर दोनों की हालत नाजुक बनी हुई। भेड़िए के आतंक से तकरीबन 50 गांव के लोग आतंकित हैं। ये भेड़िए कब पकड़े जाएंगे, इसका जवाब किसीकेपासनहींहै।

8 साल के घायल बच्चे पारस के परिजनों ने बताया कि बच्चा चारपाई पर सो रहा था। रात 1.30 बजे भेड़िया आया और बच्चे की गर्दन पकड़ ली। बच्चे ने चींखना शुरू किया और वहीं पास किसी चीज को पकड़कर खुद को बचाने के लिए खींचता रहा। वहीं भेड़िया बच्चे को अपनी ओर खींचता रहा। बच्चे का शोर सुनकर उसके परिजन जाग गए और हल्ला मचा दिया। शोर सुनकर भेड़िया बच्चे को घायल करके छोड़कर भाग निकला। परिजनों ने बताया कि उन्होंने भेड़िये को देखा।

अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्यकेंद्र के डाक्टर आशीष वर्मा ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मरिजों को जरूरी दवाएं और इंजेक्शन दिए गए हैं। उनका इलाज जारी है। दोनों घायलों को समय रहते भर्ती करने से अब खतरा नहीं है। साथ ही डॉक्टर ने कहा कि इस इलाके में भेड़िये या आदमखोर जानवर का कहर है और वन विभाग की टीमें लगी हुई हैं। इससे संभावना है कि घायलों पर भेड़िये ने ही हमला किया है। डॉक्टर का कहना है कि घायलों के परिजनों ने भी भेड़िए के हमले की बात कही है।

खाद की गुणवत्ता दुरुस्त करने के लिए नमूने लिए

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में खाद की व बीज की गुणवत्ता के लिए जिला कृषि अधिकारी ने जिले के मेहदावल तहसील में खाद और बीज की नौ दुकानों पर छापेमारी की। इस दौरान उर्वरक के दो नमूने सील किए गए छह दुकानदार फरार हो गए। फरार दुकानदारों को जिला कृषि अधिकारी सर्वेश कुमार ने नोटिस थमाई है। जिला कृषि अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार यादव ने किसानों को उच्च गुणवत्ता की खाद और बीज मुहैया कराने के लिए खाद की दुकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान जायसवाल खाद भंडार कौवाठोर से एसएसपी का एक और मोतीलाल खाद भंडार से पोटास का एक नमूना संकलित कर जांच के लिए प्रदेश स्तरीय लैब में भेज दिया। जिला कृषि अधिकारी स्तर से आधा दर्जन दुकानों को नोटिस दी गई है। इस दौरान पांच दुकानदार अधिकारी को देखते ही दुकान बंद कर भाग खड़े हुए।

इन दुकानों में एग्री जंक्शन अब्बासगंज, चौधरी खाद बीज भंडार मुंडेरी, नागेंद्र यादव खाद भंडार बभनी बाजार, लकी बीज भंडार देवकली, डीसीएफ देवकली आदि दुकानदार दुकान बंद कर भाग गए। डा. यादव ने बताया कि लैब से उर्वरक की जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

प्रो. कीर्ति पाण्डेय बनीं शिक्षा सेवा चयन आयोग की पहली अध्यक्ष

संवाददाता–गोरखपुर। प्रो. कीर्ति पाण्डेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। वर्तमान में वह दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय की अध्यक्ष हैं। उन्हें आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर विश्वविद्यालय में जश्न का माहौल है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को अपना पहला पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल गया है। प्रो. कीर्ति पाण्डेय को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। प्रो. कीर्ति पाण्डेय वर्तमान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय की अध्यक्ष हैं। डीडीयू के समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर कीर्ति पाण्डेय के आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर विश्वविद्यालय में जश्न का माहौल है। रविवार को सुबह से बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ था। सोशल मीडिया पर भी उन्हें बधाई दी जा रही थी।

प्रो. कीर्ति पाण्डेय का लंबा प्रशासनिक अनुभव है। वे जून 2023 से डीडीयू में डीन आर्ट्स हैं। वर्ष 2011–14 तक वे समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष रही हैं। वर्ष 2015 से 2017 तक वे डीडीयू स्थित यूजीसी–एचआरडीसी की निदेशक रही हैं। अक्तूबर 2021 में भारत सरकार द्वारा तीन साल के लिए नाथ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग का विजिटर्स नॉमिनी नियुक्त किया गया था। वहां इसी महीने उनका कार्यकाल पूरा होगा। प्रो. कीर्ति राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्याल फैजाबाद, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के बोर्ड ऑफ स्टडीज की सदस्य रही हैं। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और आरएमएल अवध यूनिवर्सिटी में से रिसर्च डिग्री समिति की भी सदस्य रही हैं।

उच्च शिक्षा में शिक्षक के रूप में प्रो. कीर्ति पाण्डेय का 39 वर्षों का लंबा अनुभव है। वर्ष 1985 में समाजशास्त्र विभाग में उन्होंने एडहॉक पर लेक्चरर के रूप में शिक्षण कार्य शुरू किया था। वर्ष 1987 में एसवी डिग्री कॉलेज, देवरिया में एजुकेशन सर्विस कमीशन की परीक्षा के जरिए नियुक्ति हुई थी। वर्ष 1988 में लेक्चरर के रूप में डीडीयू में स्थाई रूप से नियुक्त हुई थीं। डीडीयू में वर्ष 2006 से प्रोफेसर हैं। प्रो. कीर्ति पाण्डेय की विशेषज्ञता 'इंडियन सोसाइटी एंड कल्चर' पर है। इस पर उन्होंने काफी काम भी किया है। सोशियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट उनका पसंदीदा क्षेत्र है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग बेसिक और माध्यमिक से लेकर एडेड महाविद्यालयों तक में शिक्षक भर्ती करेगा। पहले इसके लिए अलग–अलग आयोग होते थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एकीकृत शिक्षक भर्तियां करने के लिए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अधिनियम 23 अगस्त 2023 को बनाया गया। इसमें एक अध्यक्ष 12 सदस्यों के पद सृजित किए गए थे। पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक एमपी अग्रवाल को कार्यवाहक अध्यक्ष का प्रभार दिया गया था।

यूपी में जाली स्टांप पेपर और टिकटों के सिंडिकेट का पर्दाफाश, गैंग का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। यूपी एटीएस ने प्रदेश में कूटरचित स्टांप पेपरों और टिकटों की सप्लाई का सिंडिकेट चलाने वाले गैंग का भंडाफोड़ कर दिया है। बिहार में ऐसे स्टांप पेपर और टिकट छापकर अपने गैंग के जरिए देश और प्रदेश के विभिन्न जिलों में तस्धकरी करने वाले अन्तर्राज्जीय गिरोह के मास्टर माइंड नवाब आरजू और उसके सहयोगी राजू कुमार यादव को एटीएस ने रविवार की सुबह गोरखपुर से गिरफ्तार कर लिया। एटीएस द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस तरह की सूचना मिल रही थी कि प्रदेश में एक सिंडिकेट चल रहा है जो बिहार से कूटरचित भारतीय स्टांप पेपर और कूटरचित स्ट्टांप टिकट छापकर अपने गैंग के सहयोगियों के साथ अलग–अलग जिलों में तस्करी कर रहे हैं। इस सूचना की जांच–पड़ताल में बिहार के रहने वाले नवाब आरजू का नाम सामने आया। पता चला कि नवाब आरजू अपने कुछ साथियों के साथ गोरखपुर आने वाला है। इस सूचना के आधार पर यूपी एटीएस ने गोरखपुर में रविवार की सुबह नवाब और उसके साथी राजू कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया। यूपी एटीएस के अनुसार नवाब आरजू उर्फ लालू शातिर अपराधी है। वह पहले भी कूटरचित स्टांप पेपरों की तस्ध्करी में जेल जा चुका है। वर्तमान में वह यूपी, बिहार और दिल्ली के विभिन्न जिलों में कूटरचित स्टांप पेपरों और टिकटों की तस्करी कर रहा था। इसी गिरोह के अन्य सक्रिय सदस्यों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। इनमें कमरूद्दीन, साहबजोदे, ऐश मोहम्मद, रविन्द्र दीक्षित, नन्दलाल प्रसाद और संतोष गुप्ता शामिल हैं। गिरोह के अन्य सक्रिय सदस्य एटीएस के रडार पर हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 6.94 लाख रुपए मूल्य के कूटरचित भारतीय स्ट्टांप पेपर, 72000 रुपए मूल्ध्य के कूटरचित भारतीय स्टांप टिकट और तीन मोबाइल फोन मिले हैं। उनकी एक क्रेटा कार भी पुलिस ने बरामद की है।

भाजयुमो के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पर युवती के अपहरण का मुकदमा दर्ज

संवाददाता–संतकबीरनगर। एक गांव निवासी युवक ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अभिनव साहनी पर अपनी बहन के अपहरण का आरोप लगाते हुए धनघटा थाने में केस दर्ज कराया है। आरोप है कि अभिनव अपने चार साथियों की मदद से पीड़ित की बहन को घर से अगवा कर ले गया। हालांकि, पुलिस की जांच में पता चला है कि अभिनव की युवती के साथ नजदीकियां थीं और वह उसके घर आता–जाता था। वहीं, भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने कहा है कि वर्तमान में अभिनव से संगठन का कोई संबंध नहीं है, उसे बहुत पहले पदमुक्त किया जा चुका है। धनघटा पुलिस को दी तहरीर में अगवा युवती के भाई ने कहा है कि शुक्रवार की सुबह हैंसर बाजार के सोनाड़ी निवासी अभिनव साहनी जो भाजयुमो का जिला उपाध्यक्ष बताया जाता है वह दो गाड़ियों में सहयोगियों के साथ उसके घर पहुंचा। आरोप है कि अभिनव और उसके सहयोगियों ने पीड़ित की बहन को जबरन गाड़ी में बैठा लिया और फरार हो गए।

उसके बाद से अपहृता का कुछ पता नहीं चला। तहरीर में ग्रामीणों के हवाले से आरोप लगाया गया है कि मनबढ़ अभिनव पहले भी इस तरह की वारदात को अंजाम दे चुका है। धनघटा के थानेदार अनिल कुमार ने बताया कि हैंसर बाजार के सोनाड़ी गांव निवासी अभिनव साहनी समेत पांच अज्ञात के विरुद्ध अपहरण का केस दर्ज करके उनकी तलाश की जा रही है।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष सर्वेश त्रिपाठी का कहना है कि अभिनव साहनी वर्तमान में न तो भाजयुमो का पदाधिकारी है और न ही सदस्य। वह पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त था, 11 अगस्त को जिले में आयोजित तिरंगा यात्रा में भी शामिल नहीं हुआ। इसकी सूचना राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजी गई थी। उसे उसी दिन पदमुक्त करते हुए संगठन से निष्कासित कर दिया गया था। शनिवार को जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा है कि पार्टी हमेशा पीड़ित पक्ष के साथ रहती है, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाएगा।

सरयू नदी की कटान से विलीन हो रही खेती योग्य जमीन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के धनघटा तहसील क्षेत्र में बह रही सरयू नदी में कटान लगने से खेती योग्य जमीन नदी में विलीन हो रही है। जिससे किसानों की माथे पर चिंता की लकीरें खिंचने लगी हैं। किसानों का कहना है अगर हम लोगों की खेती नदी की धारा में विलीन हो गई तो हम लोग भूमिहीन हो जाएंगे। जलस्तर घटने के साथ अब सरयू नदी ने कटान शुरू कर दी है। लगातार किसानों की खेती नदी की धारा में विलीन हो रही है। नदी ने पहले धनघटा तहसील क्षेत्र के छपरा मगर्वी के पास कटान शुरू की तो लोगों के हाथ पांव फूलने लगे। यहां के किसानों की चिंता कम नहीं हुई थी। अब चपरा पूर्वी गांव के निषाद टोला के पास सरयू नदी ने कटान शुरू कर दी। जिससे अब किसानों की खेती नदी की धारा में विलीन होने लगी है। किसान राम सकल, रामचंद्र, सुभाष, रामशरण, जयकरण, चंद्र आदि लोगों का कहना है कि अगर नदी की कटान इसी तरह से होती रही तो हम लोगों की खेती नदी की धारा में विलीन हो जाएगी। हम लोग भूमिहीन हो जाएंगे। किसानों का कहना है कि इसी तरह से 2012 में सरयू नदी ने कटान शुरू की थी तो विभाग हाथ पर हाथ रख कर बैठा रहा और नदी काटन करते हुए 3 किलोमीटर दूर से बंधे के पास पहुंच गई।

जहर देकर की गई थी गंगेश की हत्या, विसरा रिपोर्ट से खुलासा– अब होगी गिरफ्तारी

संवाददाता–गोरखपुर। बड़े भाई योगेश दत्त पांडेय की हत्या के एकमात्र मुख्य गवाह गगन पांडेय की मौत नहीं हत्या की गई थी। विसरा रिपोर्ट आने के बाद मौत के राज से पर्दा उठ गया है। विसरा रिपोर्ट में गगन की मौत का कारण जहर आया है। हत्या वाले दिन सुबह अंजान नंबर से फोन आने के बाद गगन किसी से मिलने गया था। वापसी में गोलघर के गणेश चौराहे पर उसका मृत शव मिला था। अब, गगन की विसरा रिपोर्ट आ गई है। परिजनों ने मामले में विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उनके बेटे समेत पांच लोगों पर केस दर्ज कराया था। दरअसल, 9 अगस्त 2024 की दोपहर में गंगेश दत्त पांडेय उर्फ गगन का शव संदिग्ध परिस्थिति में गोलघर चौराहे से मिला था। परिवार के लोगों ने तभी आरोप लगाया था कि बातचीत के लिए गंगेश को बुलाकर जहर देकर मार दिया गया। युवक की भाभी ने कैंट थाने में गोरखपुर विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर व उनके बेटे समेत पांच लोगों के विरुद्ध तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी। दक्षिणी बेतियाहाता, फलमंडी के पास रहने वाले गंगेश दत्त पांडेय उर्फ गगन (35 वर्ष) शनिवार के दिन दोपहर करीब 12 बजे अपने दो पहिया वाहन से जाते समय गणेश चौक के पास लड़खड़ा कर गिर गए थे। पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी पुलिस ने परिवार के लोगों को दी गई। सूचना पर पहुंचे परिवार के लोगों ने बताया कि पूर्व में बड़े भाई की हत्या में गंगेश मुख्य गवाह था। हत्या का केस इस समय न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप लगाया कि इसी रंजिश में उसकी जहर देकर हत्या की गई है। योगेश की पत्नी पुष्पा का आरोप है कि समझौता करने के लिए हत्यारोपी उनके परिवार पर दबाव बना रहे थे। सेवानिवृत्त प्रोफेसर के एक शिष्य ने बातचीत करने के बहाने शनिवार की सुबह उनके देवर गंगेश को बुलाया था। पुष्पा देवी ने कैंट थाना पुलिस को इस संबंध में तहरीर देकर आरोप लगाया कि गंगेश को जहरीला पदार्थ दिया गया। जिसकी वजह से रास्ते में मौत हो गई। फल मंडी के पास रहने वाले जटाशंकर पांडेय के बडेध पुत्र योगेश दत्त पांडेय की हत्या 2017 में हुई थी। इस मामले में परिजनों ने सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उनके स्कूल का संचालन देख रहे उनके बेटे समेत चार लोगों पर केस दर्ज कराया था। योगेश के छोटे भाई गंगेश दत्त पांडेय इस केस में मुख्य गवाह थे। गंगेश के शव को सड़क पर रखकर परिजनों ने जाम लगाया था। इस दौरान उनकी मांग थी कि आरोपियों पर केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए। लेकिन, पुलिस की तरफ से ठोस कार्रवाई के लिए विसरा रिपोर्ट और पीएम रिपोर्ट आने की बात कही गई थी। अब रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जा सकती है।

झाड़फूंक स्थान से पुलिस ने हटवाया लाउडस्पीकर, ग्रामीणों ने घेरा थाना

संवाददाता–महराजगंज। शीशगढ़ गांव के खैरटवा टोले पर स्थित एक नीम के वृक्ष के नीच ग्रामीण पूजा पाठ व कुछ लोग झाड़फूंक करते हैं। वृक्ष के पास स्थित एक मकान पर लाउडस्पीकर लगा हुआ था, जो सुबह–शाम बजता था। पुलिस ने दो दिन पहले लाउडस्पीकर हटवा दिया था, जिसके विरोध में दर्जनों की संख्या में महिला व पुरुष ने थाना को घेर लिया। दो घंटे तक चली नोकझोक के बाद पुलिस ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर मामले को शांत करवाया। इसके बाद सभी ने राहत की सांस ली। शीशगढ़ गांव के खैरटवा टोले पर स्थित एक नीम के वृक्ष के नीच ग्रामीण पूजा पाठ व कुछ लोग झाड़फूंक करते हैं। वृक्ष के पास स्थित एक मकान पर लाउडस्पीकर लगा हुआ था, जो सुबह–शाम बजता था। पुलिस ने दो दिन पहले लाउडस्पीकर हटवा दिया था, जिसके विरोध में दर्जनों की संख्या में महिला व पुरुष ने थाना को घेर लिया। दो घंटे कड़ी मशक्कत के बाद काफी समझाने पर ग्रामीण मान गए। पुलिस का कहना है कि गांव के लोगों की शिकायत पर ही लाउडस्पीकर हटवा गया था। थानाध्यक्ष बरगदवा अमित कुमार सिंह का कहना है कि शिकायत मिलने पर लाउडस्पीकर हटवाया गया है। यदि ग्रामीण प्रशासन से अनुमति पत्र लेकर प्रस्तुत करेंगे तो लाउडस्पीकर बजाने की स्वीकृति दी जाएगी।

उल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण का छठ उत्सव

संवाददाता–बस्ती। श्रीकृष्ण के छठ पूजा अवसर पर कल्चरल क्वेस्ट नृत्य धाम डांस अकादमी द्वारा जिला अस्पताल के निकट स्थित जे.पी लॉन मे 'जन्मे हैं कृष्ण कन्हाई, वशिष्ठ की नगरी, में देखो बजे बधाई' सहित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

श्री कृष्णा लड्डू गोपाल 'माधव ' जी के जन्म के छठि उत्सव पर मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर शैलजा सतीश, तथा विशिष्ट अतिथि कृति शुक्ला द्वारा श्री कृष्णा लड्डू गोपाल जी को पंचगव्य से स्नान, श्री श्रृंगार माल्यार्पण तथा छप्पन भोग का भोग लगाकर, 1001 दीपों से भव्य महा आरती किया। श्रीकृष्ण की पूजा बड़े ही परंपरागत तरीके से की गई ! डॉ. शैलजा सतीश ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण मानव इतिहास में मनुष्यता के सबसे बड़े मार्गदर्शक हैं । अतिथि श्रृंखला में डॉ नवीन श्रीवास्तव,संतोष सिंह,राहुल भैया, सुमन गिरी,आकांक्षा राज, शिवा त्रिपाठी,सरिता शुक्ला की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम संयोजक कथक गुरु मास्टर शिव ने कहा कि कृष्ण ने केवल कहा नहीं बल्कि अपने शब्दों को सरकार करके दिखाया। उनके जीवन से समस्त छात्र– छात्राएं ,नृत्य साधक प्रेरणा लें और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करें।

जर्जर सड़क बनवाने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। परतावल ब्लाक के ग्राम पंचायत धरमपुर बड़ा गांव में सड़क बदहाल हो गई है। काफी दिनों से सड़क निर्माण की मांग करने वाले ग्रामीण सोमवार को अपनी मांग को लेकर सड़क पर उतर गए। सड़क बनवाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। लक्ष्मीपुर देउरवां संपर्क मार्ग से धर्मपुर बड़ा गांव को जोड़ने वाली सड़क इस समय पूरी तरह से जर्जर हो गई है। जगह–जगह बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं जिसके कारण राहगीरों को आने–जाने में काफी परेशानी होती है। कई बार राहगीर उसमें गिरकर चोटिल हो गए हैं। सबसे ज्यादा समस्या बरसात के समय में होती है। बरसात के समय में यह सड़क पूरी तरह से कीचड़ और पानी से सराबोर हो जाती है, जिसके कारण राहगीरों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। सोमवार को इसी सड़क के निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने मांग की कि शीघ्र ही इस बदहाल सड़क का निर्माण व्यापक जनहित में कराया जाए। प्रदर्शन करने वालों में सामाजसेवी राजेश्वर यादव, क्षेत्र पंचायत सदस्य खूबचंद यादव, जितेंद्र यादव, मंजेश प्रजापति, सहावल चौधरी, देवनंदन चौधरी, शेषनाथ चौधरी, बृजमोहन चौधरी, राजेंद्र चौधरी, प्रभु चौधरी, हरिश्चंद्र, राजमंगल यादव, मनोज जायसवाल, संजय जायसवाल, दीपचंद यादव, सलीम खान, मोहित अंसारी आदि लोग शामिल रहे।

सड़क पर गाड़ दिया खूटा, अतिक्रमण से परेशान नागरिकों ने सभासद को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बस्ती। सोमवार को वार्ड नम्बर 14 गड़गोड़िया के निवासियों ने सभासद को मोहल्ले के सड़कों पर अतिक्रमण सहित विभिन्न समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

सभासद पंकज चौधरी को ज्ञापन सौंपते हुए मोहल्ले के निवासियों ने उन्हें मोहल्ले की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि मोहल्ले की आम सड़कों पर मोहल्ले के कुछ लोंगों द्वारा स्थायी रूप से खूँटा गाड़कर बकरियां बांधी जाती है। मोटर साइकिल और ऑटो भी रास्ते मे खड़ा कर दिया जाता है जिससे कि आवागमन पूरी तरह अवरूद्ध हो जाता है। जब कभी किसी राहगीर द्वारा बकरियों को ठोकर आदि लग जाती है तो समस्या उत्पन्न हो जाती है। झगड़ा करने लगते है और फौजदारी पर आमादा हो जाते है। मना करने पर कहते है कि खूँटा हमने सड़क पर गाड़ा है किसी के घर पर नहीं। मोहल्ले के निवासी विजय प्रकाश चौधरी,चंद्रभान चौधरी, लक्ष्मण चौधरी,जिलाजीत चौधरी व राजेश चौधरी ने ज्ञापन देते हुये कहा कि इन लोंगों द्वारा भवन निर्माण हेतु लाया गया सामग्री ईंट, गिट्टी आदि भी महीनों तक सड़क पर ही छोड़ दिया जाता है जिससे कि हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अगर इन समस्याओं का समाधान न हुआ तो किसी दिन इसके गंभीर परिणाम हो सकते है। बसंत चौधरी,अनिल चौधरी,राम बचन चौधरी,सत्येंद्र चौधरी,महंथ रामकेवल दास आदि ने कहा कि अगर मोहल्ले की सड़कों पर से इन अतिक्रमणों को नही हटवाया गया तो ये एक बड़ी समस्या बन जाएगी। ज्ञापन लेने के बाद सभासद पंकज चौधरी ने कहा कि इस समस्या का त्वरित निदान करते हुए मुहल्ले की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा अगर जरूरत पड़ी तो इसमे प्रशासन की मदद भी ली जाएगी। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से राज किशोर चौधरी,कन्हैया लाल चौधरी, बीरबल चौधरी,अनूप कुमार चौधरी, अवधेश कुमार,सुरेंद्र कुमार चौधरी, मोनू सहित तमाम मोहल्ले वासी लोग उपस्थित रहे।

बैंक शाखा प्रबंधक पर ऋण में हेराफेरी का आरोप लगा प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। कोठीभार थानाक्षेत्र के ग्राम बंदी व बसडील्ला के ग्रामीणों ने जिला सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक पर ऋण के भुगतान में हेराफेरी का आरोप लगाकर बैंक पर प्रदर्शन किया। बैंक पर पहुंचे जांचकर्ता भी खाताधारकों से हस्ताक्षर और अंगूठा निशान लेने का प्रयास किया, जिसका खाताधारक ने विरोध किया। जिला सहकारी बैंक के खाताधारकों का आरोप है कि उनके नाम से ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन आदि ऋण की स्वीकृति के उपरांत उनके ऋण खाते में अंकित धनराशि के अनुसार भुगतान नहीं किया गया है। जब बैंक पर पहुंचे तो ऋण स्वीकृत करने वाले शाखा प्रबंधक का स्थानांतरण घुघुली ब्रांच पर कर दिया गया था। नए शाखा प्रबंधक ने अपना काम संभाल लिया था, तब खाताधारकों को वास्तविक ऋण धनराशि की जानकारी देते हुए उसके भुगतान के लिए कहा तो ऋण लेने वाले खाताधारकों के होश उड़ गए। इसके बाद खाताधारकों ने बीते शुक्रवार को पूर्व शाखा प्रबंधक को पकड़कर तहरीर के साथ सिसवा पुलिस चौकी को सुपुर्द कर दिया। पुलिस के हस्तक्षेप पर खाताधारकों को पासबुक प्रिंट करके दे दिया गया। आरोप है कि एक दिन में ही खाताधारकों के खाते से कई बार धन निकासी की गई है। सोमवार को विपिन श्रीपत, वकील, सुरेंद्र, रमावती, श्रीराम, राम नगीना, राम भजन, बलराम, फुलवासी, शिव शंकर, विपिन, जीव धन, भिखारी आदि खाताधारकों ने बताया कि जांच करने पहुंची बैंक के दो सदस्यीय टीम पूर्व शाखा प्रबंधक को बचाने के प्रयास में कुछ कागजोस्पर हस्ताक्षर या अगूंठा लगाने को कहने लगे,।

भतीजे से पहली बार मिलकर ऐसी थी अनन्या पांडे की प्रतिक्रिया, चचेरी बहन अलाना ने साझा की जानकारी

अनन्या पांडे इन दिनों अपनी हालिया रिलीज डेब्यू सीरीज श्कॉल मी बेश को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उनकी चचेरी बहन ने अपने बेटे से अभिनेत्री की पहली मुलाकात का जिक्र किया है।

अनन्या पांडे इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उन्होंने हाल में ही करण जौहर के प्रोडक्शन तले श्कॉल मी बेश के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया है। इस हालिया रिलीज सीरीज के लिए उन्हें काफी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं भी मिली हैं। इस बीच अनन्या की चचेरी बहन और सोशल मीडिया हस्ती अलाना पांडे ने उन्हें लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने अभिनेत्री के अपने बेटे से हुए पहली मुलाकात का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने कॉल मी बे स्टार को भारत में पहली बार अपने बेटे रिवर से मिला कर उन्हें एक सुखद सरप्राइज दिया था। अलाना ने इस दौरान अभिनेत्री की प्रतिक्रिया का भी जिक्र किया।

रिवर से पहली मुलाकात पर अनमोल था अनन्या का रिएक्शन

हिंदुस्तान टाइम्स को हाल में ही दिए एक इंटरव्यू के दौरान अलाना ने मां बनने के अनुभव को साझा किया है। उन्होंने इस दौरान अपनी चचेरी बहन और अभिनेत्री अनन्या पांडे की अपने बेटे के रिवर के साथ पहली मुलाकात को भी याद किया। अलाना लॉस एंजिल्स में रहती हैं। हाल में ही उन्होंने परिवार के सदस्यों को सरप्राइज देते हुए भारत आई थीं। उन्होंने कहा कि अनन्या और उनकी मां भावना पांडे को लगा कि वो पूजा समारोह के लिए आ रही हैं, लेकिन वो वास्तव में उनसे रिवर को पहली बार मिलाने आ रही थीं। उन्होंने कहा कि पहली बार उनके बेटे को देखकर अनन्या और उनकी मां की प्रतिक्रिया बेहद अनमोल थी। दोनों उसे पकड़ कर लगातार प्यार करते जा रहे थे।

वीडियो साझा कर की थी मां बनने की घोषणा

अलाना पांडे ने बीते 8 जुलाई को अपने बेटे रिवर को जन्म दिया था। इस इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपने मां बनने के अनुभव को लेकर भी बात की है। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन के सबसे अच्छे अनुभवों में से एक है। उन्होंने कहा कि वो और उनके पति अब प्यारे बच्चे के माता–पिता बनकर इश्वर के आभारी

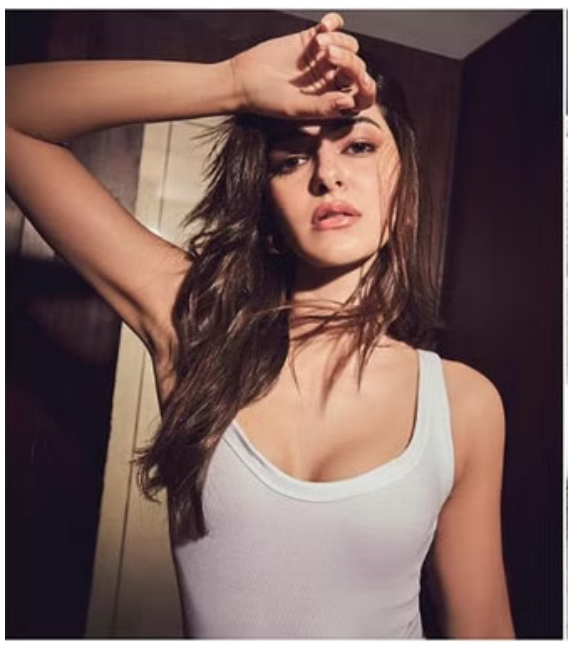

हैं। उन्होंने कहा, जब माता–पिता एक नए परिवार की शुरुआत करते हैं, तो दोनों एक इंसान के रूप में भी विकसित होते हैं। अलाना ने अपने नवजात बच्चे के जन्म पर एक वीडियो साझा किया था, जिसे कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा,ष्हमारी नन्ही परी यहां है।ष्अनन्या पांडे ने भी उनके इस पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर साझा करते हुए लिखा था,ष्मेरा खूबसूरत भतीजा।ष्

अनन्या पांडे को पसंद नहीं थी अपनी इस फिल्म की स्क्रिप्ट

सीटीआरएल में आएंगी नजर

बात करें अनन्या के वर्क फ्रंट की, तो वह हालिया रिलीज वेब सीरीज श्कॉल मी बेश में नजर आ रही हैं। ये सीरीज बीते 6 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। इस सीरीज को कोलिन डीश्कुन्हा ने निर्देशित किया है। इसके अलावा अनन्या जल्द ही फिल्म सीटीआरए में भी नजर आने वाली हैं, जिसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। सीटीआरएल एक साइबर–थ्रिलर फिल्म है, जिसमें विहान समत भी नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 4 अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

कंगना की इमरजेंसी की रिलीज का रास्ता साफ

लेकिन तीन कट के साथ मेकर्स को करने होंगे ये बदलाव

कंगना रनौत की फिल्म श्इमरजेंसीश की रिलीज से संकट के बादल छंटने वाले हैं। यह फिल्म 6 सितंबर 2024 को रिलीज होनी थी, लेकिन सेंसर से सर्टिफिकेट न मिलने के चलते फिल्म सिनेमाघरों तक नहीं पहुंच सकी। फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए एक अपडेट है। इस फिल्म की रिलीज का रास्ता साफ हो गया है। सेंसर ने इसे यूए सर्टिफिकेट दिया है, लेकिन इसके लिए मेकर्स को कुछ बदलाव करने होंगे। सेंसर ने फिल्म में तीन कट और दस बदलावों का सुझाव दिया है। अब मेकर्स को पहले सीबीएफसी द्वारा सुझाए गए बदलाव करने होंगे, तब फिल्म रिलीज हो सकेगी। द संडे एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म श्इमरजेंसीश को लेकर सेंसर बोर्ड ने तीन कट सुझाए हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स ने 8 जुलाई को ही सर्टिफिकेशन के लिए फिल्म को सेंसर बोर्ड में जमा किया था। इसके एक महीने बाद शिरोमणि अकाली दल और कई सिख संगठन फिल्म पर बैन लगाने की मांग करने लगे। ऐसे में सीबीएफसी ने लेटर के जरिए फिल्म के प्रोडक्शन हाउस को इसमें तीन कट और करीब 10 बदलाव करने के लिए सुझाव दिया था।रिपोर्ट के मुताबिक श्इमरजेंसीश के प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड ने सीबीएफसी के सुझाए 10 में से 9 सुझावों पर सहमित जताई थी। सेंसर बोर्ड ने फिल्म से एक सीन में कुछ

विजुअल्स को हटाने या बदलने की सलाह भी दी। बताया जा रहा है कि इस सीन में पाकिस्तानी सैनिकों को बांग्लादेशी शरणार्थियों पर हमला करते हुए दिखाया गया है। इसमें दिखाया गया है कि एक सैनिक एक बच्चे का सिर काट रहा है और दूसरा तीन महिलाओं का सिर काट रहा है।

पत्नी स्नेहा रेड्डी संग गणपति को घर लाए अल्लू अर्जुन, गणेश चतुर्थी पर किया बप्पा का भव्य स्वागतसीबीएफसी ने श्इमरजेंसीश के मेकर्स को फिल्म में एक नेता की मौत के जवाब में भीड़ में से किसी के अपशब्द बोलने को बदलने के लिए भी कहा था। इसके अलावा सेंसर बोर्ड ने फिल्म में एक डायलॉग में इस्तेमाल किए गए सरनेम को बदलने का भी निर्देश दिया था।

लगान में अपने रोल के लिए मूंछ रखना चाहते थे आमिर खान, निर्देशक ने मना किया तो कोई चारा नहीं रहा

आमिर खान के करियर की सबसे खास फिल्मों की सूची बनाई जाए तो उसमें श्लगानश जरूर शामिल होगी। साल 2001 में आई इस फिल्म को लोगों ने खूब पसंद किया था और आज लोग भी इसके डायलॉग श्तीन गुना लगान देना पड़ेगाश को जहां–तहां अपनी बातें में इस्तेमाल करते रहते हैं। आमिर खान इस फिल्म में अपने लुक को लेकर काफी चिंतित थे। हाल ही में, एक वीडियो के जरिए इस बात का पता चला है।

आमिर खान प्रोडक्शंस द्वारा अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक पुराना वीडियो साझा किया गया है। इसमें आमिर खान अपने चेहरे पर अलग–अलग तरह की मूंछें लगाते दिख रहे हैं। दरअसल, वो अपने चेहरे के हिसाब देख रहे थे कि कौन–सी मूंछ सही रहेगी। आमिर निर्देशक आशुतोष को अलग–अलग तरह की मूंछें दिखाते रहते थे।

जब आमिर कहते हैं कि आखिर उनका किरदार क्लीन–शेव लुक के साथ कैसे न्याय कर पाएगा तो इससे उनकी चिंता जाहिर होती है। आमिर खान को शेविंग करने के बाद एक नई मूंछ लगाते हुए भी देखा जा सकता है, जिसे वो फिल्म के निर्देशक आशुतोष गोवारिकर को दिखाने जाते

हैं। खुद आशुतोष को भी वीडियो में ये कहते हुए सुना जा सकता है कि वो अपनी मूंछों या ऐसा कहें कि मूंछों की कमी को लेकर काफी चिंतित थे।

इस पीरियड स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में आशुतोष ने आमिर को उनके किरदार के लिए मूंछें रखने के विचार को खारिज कर दिया था। इस पोस्ट का कैप्शन भी काफी मजेदार है। कैप्शन में आमिर खान का एक डायलॉग लिखा गया है, ष्तो क्या कर सकते थे, था कोई चारा?श्लुटेरा फिल्म देख डिप्रेशन में आ गए थे बादशाह, साझा किया पहले पैनिक अटैक का अनुभव

भारतीय सिनेमा के लिए श्लगानश इसलिए भी खास है, क्योंकि इसे सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म की श्रेणी में ऑस्कर पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था। फिल्म में ग्रेसी सिंह, दयाशंकर पांडे, प्रदीप सिंह रावत, यशपाल शर्मा, आदित्य लखिया, अखिलेंद्र मिश्रा और रघुबीर यादव समेत कई कलाकारों ने काम किया था। फिल्म का संगीत एआर रहमान ने तैयार किया था।

Amid membership drive, BJP says CM did nothing for slums; AAP denies claim

Delhi. BJP membership drive, BJP, AAP denies claim, membership drive, delhi slums, arvind kejriwal, aap, political rivalry, Arvind Kejriwal government, Indian express news

The Delhi unit of the BJP carried out a membership drive in 252 slum clusters on Sunday. Delhi BJP chief Virendra Sachdeva said that many joined the party because they were disappointed with the Arvind Kejriwal government.

"Over the past 10 years, the Delhi government under Arvind Kejriwal has done no welfare work for the slum areas… and is still issuing orders to demolish slum clusters. This has left slum dwellers disheartened, and they are now ready to choose BJP for a transformation in their lives," he said.

Minister of State (MoS) in the Union Ministry of Corporate Affairs Harsh Malhotra conducted the membership drive at Indira Camp, Patparganj, along with party workers, and said that slum dwellers also dream of having clean homes and know that this dream will be realised only when BJP comes to power in Delhi and implements the Prime Minister's Housing Scheme.

Delhi BJP co-incharge Alka Gurjar, state general secretaries Pawan Rana and Vishnu Mittal, and MPs Ramvir Singh Bidhuri, Yogendra Chandolia, Kamaljeet Sehrawat, Bansuri Swaraj and Praveen Khandelwal also participated in the drive.

BJP Minority Morcha National president Jamal Siddiqui and Delhi chief Anees Abbasi conducted a membership drive in the Hazrat Nizamuddin area.

The ruling AAP, however, said that Delhi was unwavering in its support for Arvind Kejriwal.

"When he first became Chief Minister, he ensured water pipelines were laid in all the 1,800 unauthorised colonies. Before his leadership, these colonies did not even have access to essentials such as water. In less than a decade, CM Arvind Kejriwal has transformed Delhi's infrastructure by building roads in the unauthorized colonies," the party said.

Bhupinder Hooda used wrestlers like Pandavas used Draupadi: Brij Bhushan's latest

Hooda used wrestlers like Pandavas used Draupadi: Brij Bhushan's latestBrij Bhushan Sharan Singh

Former Wrestling Federation of India (WFI) chief Brij Bhushan Sharan Singh, accused of sexual assault by several wrestlers, Sunday claimed that the Hooda family of the Congress had propped up the protests against him by putting the prestige of wrestlers at stake — "just like what the Pandavas did with Draupadi".

The former BJP MP's latest remarks in response to Vinesh Phogat and Bajrang Punia joining the Congress in Haryana came even though he has been told by the party to avoid public comments on the issue. The BJP feels this could damage its prospects in poll-bound Haryana, sources said.

On Sunday, Singh said in Gonda: "The wrestlers' protests might initially have appeared to have been led by women. But it became clear gradually that it was by one family and one akahara… it was being led by Bhupinder Hooda."

Read | 'Congress scripted drama 2 years ago': Brij Bhushan after Vinesh Phogat, Bajrang Punia take political plunge

He said: "In the gambling that took place in the Mahabharata, Draupadi was put at stake. The Pandavas lost…. The Hooda family… put the honour of our daughters and sisters at stake."

A source said BJP chief J P Nadda had issued a warning to Singh over his previous comments against Phogat and Punia.

vinesh bajrang AICC General Secretary KC Venugopal with wrestlers Vinesh Phogat and Bajrang Punia during a press conference after joining the Congress party at the party headquarters, in New Delhi, Friday (PTI)

000

Rinda formed new terror network with US-based Passia: Intel agencies

New Delhi | ISTAfter currently operating from

questioning a number of associates of Canada-based Khalistani terrorist Lakhbir Singh Sandhu alias Landa and Pakistan-based gangster-turned-terrorist Harvinder Singh Sandhu alias Rinda, Central Intelligence agencies have suggested that both the terrorists have stopped working together and that Rinda has started working with one Harpreet Singh alias Happy Passia, who is the US. The new syndicate is now allegedly raising terror modules and carrying out terror actions in Punjab, officials said.

The information was recently discussed by the National Investigation Agency (NIA) during a meeting with the police officials of Punjab, Rajasthan, Haryana and Delhi.

An official said both the terrorists were not working together now as their motives are different – Landa is more inclined towards supporting pro-Khalistani activities in India and Rinda is more involved in drug peddling and arms distribution in the country.

"In 2023, Happy Passia formed an association with Rinda to raise terror modules in Punjab. He illegally entered the US in 2021 with the help of an illegal human trafficking network," the official said.

Sharing the action taken against the Rinda-Passia association, an official said around eight terror modules have been busted by the Punjab police from August 2023 to August 30. "Around 35 members of their group have been arrested and 546 individuals linked with the Rinda-Passia network have been verified," the official said.

Also Read | NIA arrests key aide of Canada-based wanted Khalistani terrorist Landa

Landa, a former resident of Tarn Taran in Punjab, is believed to be living in Edmonton in Alberta in Canada and is wanted by security agencies in a case related to the Rocket Propelled Grenade (RPG) attack on the Punjab State Intelligence Headquarters in Mohali in 2022.

A cash reward of Rs 15 lakh was announced by the NIA on him. "He has also been involved in various criminal cases related to raising of terror modules, extortion, killings, planting IEDs, smuggling of weapons and narcotics and using funds or proceeds thereof for terrorist acts in the Punjab and other parts of the country," an official said.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।